एक अपील

यह अपील सभी जन आंदोलनों, जनसंगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं, सभी नागरिक समाज संगठनों, बुद्धिजीवियों, और संविधान को सबसे पवित्र ग्रंथ के रूप में देखने वाले सभी लोगों को संबोधित है, जो जाति, पंथ, भाषा और राजनीतिक पक्षपात से परे भारत का ख़्वाब देखते हैं, हम सभी जिन्हें यह महान सभ्यता विरासत में मिली है और जो इसके भविष्य की चिंता करते हैं:

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा 7 सितंबर 2022 से कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3500 किलोमीटर की "भारत जोड़ो यात्रा" नामक पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे समय में जब संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक मानदंडों को बेशर्मी से नष्ट किया जा रहा है और भारत का विचार एक सुनियोजित हमले का सामना कर है, इस यात्रा का उद्देश्य जनमानस को जगाना है। चूंकि:

- इससे पहले कभी हमारे गणतंत्र के मूल्यों पर इतना जघन्य हमला नहीं हुआ।
- इससे पहले कभी भी हम पर इतनी बेहयाई से नफरत, बंटवारे और भेदभाव को नहीं थोपा गया था।
- इससे पहले कभी भी हमें इस हद तक जासूसी, प्रोपेगेंडा और झूठ तंत्र का शिकार नहीं होना पड़ा था।
- इससे पहले कभी हमने लोगों की दुर्दशा के प्रति इतना निष्ठुर शासन नहीं देखा, जहां चौपट अर्थव्यवस्था को चंद थैलीशाहों के सहारे चलाया जा रहा है।
- इससे पहले कभी भी सच्चे राष्ट्र-निर्माता कमरे वर्ग – बहुतांश किसानों और मजदूरों, दलितों और आदिवासियों – को राष्ट्र के भविष्य से इस कदर बाहर नहीं रखा गया

भारत जोड़ो यात्रा इस गंभीर राष्ट्रीय संकट के परिप्रेक्ष्य में आयोजित की जा रही है। कांग्रेस पार्टी ने सभी “समान विचारधारा वाले राजनीतिक दलों [और] नागरिक समाज समूहों ... से एकजुट होकर भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने की अपील की है।” इस अपील को ध्यान में रखते हुए और इस तरह की पहल की सख्त आवश्यकता को महसूस करते हुए, 22 अगस्त को दिल्ली में जन आंदोलनों के लगभग 200 प्रतिनिधियों द्वारा एक सम्मेलन का आयोजन किया गया था। दिन भर के विचार-विमर्श और कांग्रेस पार्टी में यात्रा आयोजकों के साथ एक संवाद के बाद सम्मेलन ने सर्वसम्मति से इस पहल का स्वागत किया। पहल के साथ व्यापक एकजुटता व्यक्त करते हुए, इस यात्रा से जुड़ने और सभी जनांदोलनों के सभी लोगों से इसके साथ सहकार की अपील जारी करने पर सहमति बनी थी।

पिछले कुछ वर्षों में हमने आजादी के बाद से भारत में लोकतांत्रिक प्रतिरोध के कुछ सबसे शानदार लम्हों को भी देखा है। तमाम वर्ग, समुदाय और आम नागरिक हमारे गणतंत्र की रक्षा के लिए

बेख़ौफ़ उठ खड़े हुए हैं। किसानों के ऐतिहासिक संघर्ष ने इस अधिनायकवादी शासन को किसान-विरोधी कानूनों को रद्द करने के लिए मजबूर कर दिया। लाखों लोग समान नागरिकता की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए। अनेकों कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, वकीलों, लेखकों और आम नागरिकों ने धमकियों की परवाह नहीं की, जेल जाना मंजूर किया और सत्ता के सामने सच बोलने की खातिर सब कुछ दांव पर लगा दिया। यह अपील इसलिए जारी कर रहे हैं ताकि जान उभर की यह ताकत उन राजनीतिक दलों से भी जुड़ सके जो हमारे संवैधानिक लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आज हम एक निर्णायक मोड़ पर खड़े हैं। आज हर भारतीय को कहना होगा: नहीं। मेरे नाम पर देश में जो कुछ हो रहा है, मेरी आत्मा उसकी गवाही नहीं देती। आज हमला है हमारी अनूठी विविध भारती सामाजिक बुनावट पर, जो हमारी सभ्यता की महान विरासत है, जो हमारे संविधान में परिलक्षित है। हम इस देश के विराट जनमत की आवाज हैं, इस महान राष्ट्र के स्वधर्म की अभिव्यक्ति हैं, इस सभ्यता की विरासत के प्रतिनिधि हैं। हम भारत के जन संकल्प के साथ धोखाधड़ी नहीं होने देंगे। जब तक हम इस देश को पटरी से उतारने पर आमादा धन, मीडिया और सत्ता का उपयोग करने वाले कट्टरपंथियों के छोटे समूह को हरा नहीं देते तब तक हम लोकतांत्रिक, संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से प्रतिरोध और संघर्ष करेंगे। हम इस मिशन में भारत के लोगों को जोड़ेंगे। आज वक्त की पुकार है: भारत जोड़ो।

हम हर उस भारतीय से अपील करते हैं, जो इस महान सभ्यता पर गर्व करता है और जो हमारे देश के लिए एक महान भविष्य में आस्था रखता है -- आइये हम "भारत जोड़ो यात्रा" और अन्य संगठनों द्वारा ली गई ऐसी किसी भी पहल के समर्थन में आगे आएं। चाहे जो भी दाल सत्ताधारी रहा हो, जानआंदोलनों ने सभी सरकारों के अन्यायपूर्ण कृत्यों के विरुद्ध संघर्ष किया है, और आगे भी करते रहेंगे। एक बार "भारत जोड़ो यात्रा" जैसी पहल को समर्थन देने से हम किसी राजनीतिक दल या नेता से बंध नहीं जाते। बल्कि हम पक्षधरता से ऊपर उठकर अपने संवैधानिक गणतंत्र की रक्षा के लिए किसी भी सार्थक और प्रभावी पहल के साथ खड़े होने के अपने संकल्प की पुष्टि करते हैं। इस यात्रा के साथ हमारा जुड़ाव कई रूप ले सकता है - हम ऐसा व्यक्तिगत रूप से, समूहों के रूप में, या एक पार्टी के रूप में यात्रा से जुड़ सकते हैं; हम सहभागी कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं; हम अदाकार के रूप में, रचनात्मक कलाकार के रूप में या बुद्धिजीवियों और शिक्षाविदों के रूप में शामिल हो सकते हैं; और, हम इस यात्रा में पदयात्रियों के रूप में शामिल हो सकते हैं। आइए हम सब भारत जोड़ो यात्रा को एक निर्णायक कदम बनाएं, एक ऐसे भारत को हासिल करने की दिशा में, जो स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुत्व की रौशनी में एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य है।

जय हिन्द!